02 मई 2025

दोहरा सम्मान: Stephenson हाई स्कूल में जुड़वाँ बहनों को क्रमशः वेलेडिक्टोरियन और सैल्यूटेटोरियन के सम्मान से सम्मानित किया गया

जुड़वाँ बहनें, Aissa और Carissa Swope हमेशा एक-दूसरे को प्रेरित करती हैं कि वे पढ़ाई में अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन दें। उन्होंने अपने ग्रैजुएटिंग कक्षा में शीर्ष 10 प्रतिशत में आने का लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने न केवल यह उपलब्धि हासिल की, बल्कि अपनी कड़ी मेहनत और शैक्षणिक उत्कृष्टता के बल पर Stephenson हाई स्कूल की 2025 की ग्रैजुएटिंग कक्षा में शीर्ष दो स्थान भी प्राप्त किए।

Carissa को वेलेडिक्टोरियन घोषित किया गया, जबकि उसकी 'बड़ी बहन' Aissa को सैल्यूटेटोरियन के रूप में सम्मानित किया गया। जुड़वाँ बहनों में Aissa अपनी बहन से चार मिनट बड़ी है। ये जुड़वाँ बच्चे हमेशा से प्रतिस्पर्धी रहे हैं और उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रयासरत रहे हैं, इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि वे अपनी कक्षा के शीर्ष विद्यार्थी बने।

"हम हमेशा से प्रतिस्पर्धी रहे हैं, इसलिए यह सिर्फ शीर्ष स्थान पाने की दौड़ नहीं रही, बल्कि कक्षा के शीर्ष 10 प्रतिशत में बने रहने की प्रतिस्पर्धा रही है," Carissa ने कहा। "अब मैं अपनी बहन के बगल में खड़ी होती हूँ और हम दोनों साथ में भाषण देते हैं। यह एक आशीर्वाद है और मैं वास्तव में उत्साहित हूँ।

“यह एक लंबी यात्रा रही है”, Aissa ने कहा। "हम हमेशा लोगों को यह दिखाना चाहते थे कि हम कुछ कर सकते हैं और हम बुद्धिमान हैं। मुझे लगता है कि लोग हमें कम आंका करते थे, शायद इसलिए क्योंकि ऐसा हमारे माता-पिता की वजह से होता था। यह पहचान पाना वाकई अच्छी बात है।”

17 वर्षीय जुड़वाँ बहनों का वेलेडिक्टोरियन और सैल्यूटेटोरियन बनने का सफ़र आसान नहीं था। उनके माता-पिता सुन नहीं सकते, इसलिए लड़कियों के ऊपर यह ज़िम्मेदारी थी कि वे उनके और दूसरों के बीच स्पष्ट संचार बनाए रखें। कभी-कभी माता-पिता-शिक्षक सम्मेलन के दौरान दुभाषिए उपलब्ध नहीं होते थे और लड़कियों को अपने अभिभावकों के लिए अनुवाद करना पड़ता था। जब वे छोटी थीं और बैंड तथा ग्ली क्लब में भाग लेती थीं, तब उनके माता-पिता, यह जानते हुए भी कि वे संगीत नहीं सुन सकते, आकर उनका समर्थन करते थे।

"हम हमेशा उनके हमारे कार्यक्रमों में आने की सराहना करते थे," Carissa ने कहा। "उनके हाव-भाव वैसे ही होते थे जैसे हाव-भाव कोई भी गैर-बधिर माता-पिता देते। मुझे लगता है कि हमारी सफलता इस बात का सबूत है कि सिर्फ़ इसलिए कि कोई बधिर है, इसका यह मतलब नहीं कि वे होशियार और सफल बच्चों की परवरिश नहीं कर सकते।"

छोटी-छोटी कठिनाइयों के बावजूद, इन दोनों बहनों ने एक-दूसरे को कक्षा के अंदर और बाहर हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एक-दूसरे को सफलता के लिए प्रेरित करना अपने जीवन का हिस्सा बना लिया था, चाहे कई बार उन्हें यह एहसास न भी हुआ हो कि वे ऐसा कर रही हैं।

"हम हमेशा एक-दूसरे को आगे बढ़ने और बेहतर करने के लिए प्रेरित करते रहे हैं," Aissa ने कहा। "अगर मेरी जुड़वाँ बहन मेरे साथ न होती, तो संभव है कि मैं सैल्यूटेटोरियन न बन पाती। जब भी मैं किसी असाइनमेंट को टालना चाहती, [Carissa] मुझे घूरकर कहती, ‘क्या मतलब है तुम्हारा?’ तुम्हें यह असाइनमेंट करना होगा। और मैं कहती, अच्छा ठीक है। तो, वह निश्चित रूप से मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा रही है, भले ही कभी-कभी वह मेरी मदद करना न चाहती हो।"

"मुझे तो इसका एहसास भी नहीं था कि वह ऐसा महसूस करती है, क्योंकि वह भी हमेशा मेरी प्रेरणा रही है," Carissa ने कहा।

ये जुड़वाँ बहनें इतनी प्रतिस्पर्धी थीं कि उनके माता-पिता ने सुनिश्चित किया कि वे एलिमेंटरी स्कूल में अलग-अलग कक्षाओं में पढ़ें।

"हालाँकि, हमारे हमेशा एक जैसे असाइनमेंट नहीं होते थे, हमें पता था कि चाहे कक्षा शिक्षक कोई भी हो, हम दोनों 'A' ग्रेड्स ही पाना चाहती हैं," Carissa ने कहा।

जब वे इतनी बड़ी हुईं कि अपनी कक्षाएं चुन सकें, तो जुड़वाँ बहनों ने प्रतिस्पर्धा बनाए रखने और एक-दूसरे का ख्याल रखने के लिए एक ही पाठ्यक्रम साथ-साथ चुना। वे दोनों एक ही कॉलेज, Emory विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने की योजना बना रही हैं। Carissa न्यूरोसाइंस और व्यवहार जीवविज्ञान में प्रमुख अध्ययन करना चाहती है, ताकि वह परिवार चिकित्सा चिकित्सक बन सके, जबकि Aissa जीवविज्ञान में प्रमुख अध्ययन करेगी, ताकि वह एनेस्थेसियोलॉजिस्ट बन सके। उनके माता-पिता ने Carissa को परिवार चिकित्सा अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया और उम्मीद है कि वह एक दिन अपनी प्रैक्टिस शुरू करेगी।

"मैं हमेशा से अपनी प्रैक्टिस करना चाहती थी और चाहती हूँ कि वह सभी के लिए सुलभ हो, क्योंकि मेरे माता-पिता डॉक्टर के अपॉइंटमेंट पर इंतजार करते रहते थे या उनके साथ कोई दुभाषिया नहीं होता था, और उन्हें ज़रूरी मेडिकल जानकारी लिखकर बतानी पड़ती थी," Carissa ने कहा। "इसलिए, मैं ऐसी प्रैक्टिस करना चाहती हूँ जो सभी के लिए सुलभ हो, जहाँ दुभाषिये हों और ऐसी सुविधाएं उपलब्ध हों जो विकलांग या अलग भाषा बोलने वाले लोगों के लिए मददगार हो।"

भविष्य जैसा भी, Aissa और Carissa अपनी पोस्ट-ग्रैजुएशन की पढ़ाई के बाद की यात्रा में हमेशा एक-दूसरे का साथ देंगी।

"जुड़वाँ होने का यह फ़ायदा है कि हमेशा कोई होता है जिस पर भरोसा किया जा सकता है, चाहे कुछ भी हो," Carissa ने कहा। "कठिनाई चाहे कितनी भी हो, हम हमेशा अपने संघर्षों को साझा करके और उनका मिलकर सामना करके एक-दूसरे का समर्थन करते हैं।"

"हमारे पास हमेशा कोई होता है जिससे हम अपने विचार साझा कर सकते हैं और हमारे लिए सही विकल्प, सही रास्ता चुन सकते हैं," Aissa ने कहा।

XXX